राजकिरण रै जी.
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ
Rajkiran Rai G.
Managing Director & CEO

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking
आन्ध्रा Andhra कार्पोरेशन Corporation

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की 19वीं वार्षिक साधारण बैठक, 10 अगस्त, 2021 – मुंबई श्री राजकिरण रै जी., प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा संबोधन

प्रिय शेयरधारको,

- बैंक के निदेशक मंडल की ओर से मैं आज सभी उपस्थित शेयरधारकों का हार्दिक स्वागत करता हूँ.
- सबसे पहले, मैं उन लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ जिन्होंने कोविड महामारी में अपनी जान गंवाई. मैं सभी हितधारकों के सहयोग के लिए अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करना चाहता हूँ और इस कठिन घड़ी से सफलतापूर्वक उबरने में सभी कर्मचारियों के निरंतर प्रयासों के लिए धन्यवाद देता हूँ.
- इससे पहले कि मैं वित्त वर्ष 2020–21 में बैंक के कारोबार और वित्तीय स्थिति के बारे में कुछ बात करूँ, मैं वृहत् वातावरण पर एक संक्षिप्त जानकारी के साथ शुरुआत करता हूँ.

1. वृहत् अर्थव्यवस्था:

- वर्ष 2020–21 में कोविड– 19 महामारी और परिणामी आर्थिक मंदी हावी थी जो कि वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से सबसे गंभीर स्थिति थी. लॉकडाउन और सामाजिक दूरी के मानदंडों ने अर्थव्यवस्थाओं में गतिरोध ला दिया. पूरे विश्व में सरकारों और केंद्रीय बैंकों ने उनकी अर्थव्यवस्थाओं को गति प्रदान करने के लिए कई नीतिगत उपाय किये. सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति इस व्यापक संकट से निपटने का प्रमुख बिन्दु बन गई.
- सहायक उपायों ने 2020 के मध्य में संकट की गंभीरता को नियंत्रित करने में सहायता प्रदान की. निरंतर टीकाकरण अभियानों, निरंतर उदार मौद्रिक नीतियों और साथ ही बड़े राजकोषीय प्रोत्साहन से वैश्विक विकास धीरे–धीरे ठीक होने लगा. हालांकि, कोविड की दूसरी लहर के आने से वातावरण एक बार पुनः अनिश्चित हो गया.
- भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए, वर्ष 2020–21 महामारी के कारण आपूर्ति और मांग पक्ष में आई बाधाओं के कारण चुनौतीपूर्ण था. अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 21 की पहली छमाही के दौरान वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी में 24.4% और वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 7.4% की गिरावट के साथ एक तकनीकी मंदी में प्रवेश किया. हालाँकि, देश में वित्तीय वर्ष 2020–21, 7.3% के संकुचन के साथ समाप्त हुआ जो कि उम्मीद से बेहतर था. सरकार ने आत्मनिर्भर योजना और आरबीआई की एक अनुकूल मौद्रिक नीति और तरलता बढ़ाने के उपायों के माध्यम से अपने राजकोषीय व्यय को बढ़ाया है, जिससे अर्थव्यवस्था को संबल मिला है.
- वित्तीय वर्ष 2020–21 के अंत में पुनः वृद्धि दर्ज की गई जिसका एक कारण आंशिक रूप से अर्थव्यवस्था के खोले जाने के कारण परिणामी नियंत्रित मांग और आपूर्ति पर प्रतिबंधों को हटाया जाना व सेवाओं और वस्तुओं का मुक्त आवागमन रहा.
- कारोबार को बाधित करने वाली कोविड की निरंतर लहरों के बावजूद अर्थव्यवस्था लचीली रही है. हम इस वर्ष एक बेहतर वसूली की आशा कर सकते हैं और आने वाले दिनों में बैंकिंग क्षेत्र के लिए अपनी गतिविधियों को पुनर्जीवित करने का अवसर प्राप्त कर सकते हैं.

2. बैंकिंग वातावरण:

- वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान बैंकिंग वातावरण अस्थिर रहा है. मार्च 2021 के अंत तक गैर–खाद्य ऋण वृद्धि दर घटकर 5.6 प्रतिशत होने के साथ 2020–21 के लिए ऋण में कोई वृद्धि नहीं रही. कृषि को छोड़कर, सभी प्रमुख क्षेत्रों में ऋण वृद्धि में व्यापक आधार पर कमी रही है.
- ब्याज दरों में पर्याप्त कमी, जमाकर्ताओं के जोखिम से बचने वाले व्यवहार और आकर्षक वैकल्पिक निवेश के अभाव के बावजूद वित्तीय वर्ष 21 के दौरान एससीबी की समग्र जमाराशियों ने एक सुदृढ़ वृद्धि दर्ज की है.
- एससीबी का समग्र अनर्जक आस्तियों (एनपीए) का अनुपात मार्च 2020 के 8.4 प्रतिशत की तुलना में मार्च 2021 में घटकर 7.5 प्रतिशत हो गया, जिससे एससीबी की आस्ति गुणवत्ता में 2020–21 के दौरान सुधार देखा गया है जो कोविड– 19 महामारी के सापेक्ष नियामक प्रबंध को दर्शाता है.

3. समामेलन पश्चात आपका बैंक:

- पूर्व–कॉर्पोरेशन बैंक एवं पूर्व– आंध्रा बैंक के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में समामेलन के बाद आपके बैंक का वैश्विक कारोबार दुगुने से भी अधिक हो गया है.
- समामेलन के परिणामस्वरूप देश भर में यूनियन बैंक की भौगोलिक पैठ में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है. इस समामेलन के साथ, आपका बैंक व्यापक नेटवर्क के साथ कारोबार के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र का 5वां सबसे बड़ा बैंक बन गया है. बैंक अब बड़े पूंजी आधार को प्राप्त कर चुका है और अपने कॉर्पोरेट और खुदरा ग्राहकों के साथ गहरे बैंकिंग संबंध बनाने के लिए बेहतर स्थिति में है.
- समामेलन के पश्चात् उच्च जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा कार्यनीतिक अनिवार्यताओं की पूर्ति के लिये आपके बैंक ने भविष्य के लिए केंद्रीय कार्यालय और क्षेत्र के लिये एक संगठनात्मक ढांचा तैयार किया है.
- आपके बैंक ने समामेलन के बाद बढ़ते डिजिटाइजेशन पर ध्यान केंद्रित करते हुए परिवर्तन यात्रा की शुरूआत की है.
- हमने उद्योग में सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप सभी उत्पादों, प्रक्रियाओं और नीतियों में सामंजस्य स्थापित किया है. यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के साथ ई–कॉर्पोरेशन बैंक और ई–आंध्रा बैंक के सूचना प्रौद्योगिकी परिदृश्य का एकीकरण क्रमशः 30 नवंबर 2020 और 25 जनवरी 2021 को पूरा किया गया है. ग्राहकों को न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करते हुए संपूर्ण आईटी रूपांतरण को पूरा किया गया है.
- पूर्व आंध्रा बैंक एवं पूर्व कार्पोरेशन बैंक की शाखाओं एवं संवितरण प्रणाली के समामेलन ने ग्राहकों के लिए अनेक सुअवसर उपलब्ध कराए हैं जिससे ग्राहकों को नए उत्पाद एवं सेवाएँ प्रदान करने के लिए बैंक की क्षमता बढ़ी है.
- समामेलन से बैंक को राजस्व विस्तार, लागत में कमी, व्यापार युक्तिकरण के संदर्भ में तालमेल बिठाने में मदद मिली है. इसके अंतर्गत आवर्ती एवं एकबारगी तौर पर अगले 3 वर्षों के लिए सभी कार्यों में अनुमानित संचयी मौद्रिक मूल्य के साथ योजना तैयार की गयी है.
- समामेलन ने ''फ्युचर रेडी बैंक'' के विजन को पूरा करने के लिए बैंक की नीव रखी है.

4. आपके बैंक का कारोबार निष्पादन :

- 31 मार्च, 2021 को बैंक का वैश्विक कारोबार ₹15,77,490 करोड़ रहा.
- कुल जमाराशियाँ 31 मार्च, 2021 को बढ़कर ₹ 9,23,805 करोड़ हो गई. इसमें से कासा (चालू खाता एवं बचत खाता) का अंश 31 मार्च, 2021 को 36.33% रहा.
- सकल अग्रिम 31 मार्च, 2021 को ₹ 6,53,684 करोड़ रहा. रैम (रिटेल, कृषि एवं एमएसएमई) क्षेत्र अग्रिम 31 मार्च, 2021 को ₹3,67,825 करोड़ रहा एवं 8.40% की वार्षिक दर से बढ़ा.
- कुल देशी अग्रिम में रैम का अंश 31 मार्च, 2020 के 52.6% से बढ़कर 31 मार्च, 2021 को 57.7% हो गया.
- आपके बैंक ने प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिमों के अधीन 40% सांविधिक लक्ष्य के सापेक्ष मार्च 2021 को समाप्त तिमाही के लिए समायोजित शुद्ध बैंक ऋण (एएनबीसी) का 42.0 प्रतिशत प्राप्त किया है.

5. लाभ एवं लाभप्रदता:

- आपके बैंक का परिचालन लाभ वित्त वर्ष 2019–20 में ₹ 9,181 करोड़ था जो वित्त वर्ष 2020 –21 में बढ़कर ₹ 19,259 करोड़ हो गया. वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान बैंक का निवल लाभ ₹ 2,906 करोड़ रहा.
- वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान औसत आस्तियों पर प्रतिलाभ 0.27% रहा, जबकि इक्विटी पर प्रतिलाभ 6.68% रहा.

6. आस्ति गुणवत्ता:

- बैंक की 31 मार्च, 2021 को सकल गैर निष्पादित आस्तियां (जीएनपीए) ₹ 89,788 करोड़ रहीं. सकल गैर निष्पादित आस्तियों का प्रतिशत 31 मार्च, 2021 को 13.74% रहा.
- बैंक का शुद्ध एनपीए 31 मार्च, 2021 को ₹ 27,281 करोड़ रहा तथा 31 मार्च, 2021 को शुद्ध एनपीए अनुपात 4.62% रहा.

7. पूंजी पर्याप्तता:

- बासल III मानदंडों के अनुसार बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 31 मार्च, 2021 को 12.56% रहा.
- बैंक की कॉमन इक्विटी टियर I (सीईटी I) पूंजी मार्च 2021 में 9.07% रही.

- आपके बैंक ने वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान बासल III के अनुरुप रु. 1705 करोड़ के टियर I बांड और ₹ 2000 करोड़ के टियर II बांड जारी और आबंटित किए हैं.

8. आईटी एवं डिजिटल पहल:

- ग्राहकों हेतु बैंकिंग सेवा को व्यवस्थित करने के लिए आपका बैंक अत्याधुनिक तकनीक अपना रहा है.
- सेवा की गुणवत्ता बढ़ाने एवं टर्न अराउंड टाइम (टीएटी) में सुधार के लिए आपका बैंक आंतरिक कारोबारी प्रक्रियाओं के केन्द्रीकरण/ स्वचालन/ एकीकरण को अपना रहा है.
- आपके बैंक द्वारा ग्राहकों की डिजिटल ऑन बोर्डिंग हेतु महत्वपूर्ण पहल की गई हैं जैसे पीएपीएल (पूर्व अनुमोदित व्यक्तिगत ऋण सुविधा), खुदरा एवं एमएसएमई ऋणों की ऑनलाइन माध्यमसे सीधे प्रोसेसिंग, ₹ 50,000 तक के शिशु मुद्रा ऋण का पूरी तरह डिजिटीकरण किया जाना, ₹ 5 करोड़ तक के विभिन्न ऋण उत्पादों पर डायल, ए– ऋण सुविधा, विभिन्न बहुविध चैनल जैसे मिस कॉल, एसएमएस एवं कॉल सेंटर के जरिए ऋण प्रदान करना, PSB loan in 59 minutes, बैंक बाजार आदि के जरिए डिजिटल लीड देना आदि.
- आपके बैंक ने वर्ष के दौरान ग्राहकों की सुविधा हेतु देश भर में 100 स्थानों पर वित्तीय एवं गैर वित्तीय सेवाएँ प्रदान करने के लिए डोर स्टेप बैंकिंग (डीएसबी) सुविधा को भी कार्यान्वित किया है.
- पूर्व चेतावनी संकेतों (ईडबल्यूएस) की पहचान करने के लिए एक प्रणाली विकसित की गयी है ताकि समय पर सुधारात्मक कदम उठाने हेतु उधार खातों में स्ट्रेस/चेतावनी की पहचान सक्रिय रुप से की जा सके. बैंक के अग्रिमों के गैर एसएमए एवं गैर एनपीए संविभाग में पूर्व चेतावनी संकेतों को कवर करने के लिए उन्नत विश्लेषणात्मक उपायों का उपयोग किया जा रहा है, ताकि बैंक की ऋण बुक को ठीक रखने हेतु आवश्यक उपाय शुरु किए जा सकें.
- आईटी सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए बैंक ने साइबर सिक्यूरिटी फ्रेमवर्क कार्यान्वित किया है एवं साइबर सिक्यूरिटी ऑपरेशन सेंटर (सीएसओसी) स्थापित किया है. सीएसओसी के प्रबंधन हेतु समर्पित दक्ष टीम को नियुक्त किया गया है. सीएसओसी साइबर जोखिम की पहचान करने, पता लगाने, उसे रोकने और उससे सुरक्षित रखने में सहायता प्रदान करता है.

9. मानव पूंजी सशक्तिकरण:

- आपका बैंक अपनी मानव पूंजी में निवेश करके सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी अनुभव प्रदान करने का प्रयास करता है और उनके निरंतर विकास के लिए उपाय सुनिश्चित करता है.
- आपका बैंक अपने कार्यबल को सशक्त बनाने के साथ–साथ कॉर्पोरेट उद्देश्यों को पूरा करने के लिए उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं को शुरू करने में सबसे आगे रहा है.
- आपके बैंक ने सभी महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए उत्तराधिकार योजना की प्रक्रिया आरंभ की है. उच्च क्षमता वाले कर्मचारियों के लिए अनुकूलित विकास पथ के रूप में व्यक्तिगत विकास योजनाएं (आईडीपी) तैयार की गई हैं, ताकि अब से कुछ वर्ष बाद वे महत्वपूर्ण भूमिकाओं का सफलतापूर्वक निर्वहन कर सकें.
- वित्तीय वर्ष 2020–21 ने हितधारकों के बीच लाभ बांटने के एक नए युग की शुरुआत की है. कार्य निष्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) परिचालन और शुद्ध लाभ की गतिशीलता से प्राप्त होते हैं. बैंक ने वित्त वर्ष 2020–21 के दौरान अर्जित लाभ के आधार पर सभी कर्मचारियों के लिए पांच दिनों की पीएलआई की घोषणा की है. यह अभी एक शुरुआत है. हम सभी स्तरों पर दृढ़ प्रयासों से और सुधार कर सकते हैं.

10. विस्तृत पहुँच एवं उत्तम सेवा (EASE):

- EASE सरकार द्वारा आरंभ किए गए सुधार एजेंडा का एक हिस्सा है, जो प्रत्येक क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की दक्षता बढ़ाने और एक सामान्य सूचकांक के जरिये तिमाही आधार पर उनके कार्यनिष्पादन को मापने का एक पैमाना है.
- आपके बैंक ने EASE एजेंडा के तहत दक्षता में सुधार के लिए अनेक नवीन पहलें की हैं और कई उपायों को लागू किया है.
- दिसंबर 2020 को समाप्त तिमाही के लिए नवीनतम रैंकिंग के अनुसार आपके बैंक का तीसरा स्थान है, जबकि मार्च 2020 को समाप्त आधारभूत तिमाही में यह 8वें स्थान पर था. हमारा बैंक 5 में से 4 मानकों में शीर्ष 3 बैंकों में शामिल था.

11. पर्यावरण, सामाजिकी और गवर्नेंस (ईएसजी):

- आपका बैंक अपनी सीएसआर प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में सबसे आगे रहा है. इसके लिए बैंक ने वर्ष 2006 में बैंक की सीएसआर गतिविधियों

के कार्यान्वयन के लिए एक विस्तारित इकाई के रूप में यूनियन बैंक सोशल फाउंडेशन ट्रस्ट (यूबीएसएफटी) की स्थापना की है. यूबीएसएफटी ने शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सामुदायिक विकास, स्वच्छता आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों के तहत वर्ष 2020–21 के दौरान 78.09 लाख रुपये की 6 परियोजनाओं को मंजूरी दी है.

- आपके बैंक ने समाज के सभी वर्गों के लिए सामाजिक विकास और समान अवसरों पर अपना ध्यान केंद्रित करना जारी रखा है. तदनुसार, बैंक ने समाज के विभिन्न कमजोर और वंचित वर्गों, विशेष रूप से महिलाओं, अल्पसंख्यक समुदाय और स्वयं सहायता समूह को ऋण सुविधाएं प्रदान की है.
- अपने कॉर्पोरेट प्रशासनिक ढांचे के हिस्से के रूप में, आपके बैंक में अनैतिक व्यवहार को रोकने के लिए एक व्यापक व्हिसल ब्लोअर नीति उपलब्ध है. आपके बैंक ने एक सुस्पष्ट अनुपालन नीति के साथ एक सुदृढ़ अनुपालन प्रणाली लागू की है. कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर बैंक के पास एक सुदृढ प्रलेखित नीति विद्यमान है.
- आपके बैंक ने कोविड से प्रभावित कारोबार को मदद पहुंचाने के लिए कई उपाय किये हैं. आपका बैंक विभिन्न योजनाओं जैसे कि आपातकालीन ऋण व्यवस्था, व्यक्तिगत ऋण योजना, एस.एच.जी. कोविड सुविधा ऋण, यूनियन गारंटीकृत आपातकालीन ऋण व्यवस्था, एक्सटेंडेड पार्शियल क्रेडिट गारंटी स्कीम आदि के माध्यम से महामारी के दौरान तरलता संकट से निपटने में ग्राहकों की मदद करने में सबसे आगे रहा था.
- बैंक ने राहत उपायों के बारे में उधारकर्ताओं के बीच जागरूकता पैदा की तथा ग्राहकों और स्टाफ सदस्यों की सुरक्षा के लिए एक सख्त कोविड–19 प्रोटोकॉल लागू किया है, साथ ही ग्राहकों को हमारे बैंक के डिजिटल उत्पादों और सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया है.

12. पुरस्कार और सम्मान:

- डिजिटीकरण, वित्तीय समावेशन, मानव संसाधन प्रबंधन, ग्राहक सेवा आदि में की गई अपनी नई पहलों के लिए बैंक को वर्ष के दौरान कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं, जिनमें आपके बैंक ने राष्ट्रीय फ़ीदर पुरस्कार, गोल्डन पीकॉक अवार्ड, एपेक्स इंडिया पुरस्कार, मानव संसाधन नेतृत्व, नवाचार और प्रशिक्षण के तहत अपनी विभिन्न पहलों के लिए विश्व एचआरडी कांग्रेस द्वारा एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार, गोल्डन एचआर उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किये हैं. बैंक को अपनी डिजिटल परिवर्तन पहल के लिए ग्रीनटेक एचआर अवार्ड एवं द फ्यूचर ऑफ टेक कांग्रेस अवार्ड से सम्मानित किया गया है. बैंक ने एग्रीकल्चर टुडे ग्रुप द्वारा आयोजित कृषि ऋण और बीमा पुरस्कार 2021 के अंतर्गत पुरस्कार प्राप्त किए हैं.

13. भावी परिदृश्य:

- बैंकिंग क्षेत्र के लिए यह समय अवसरों और अनिश्चितताओं का मिश्रण है. कोविड–19 एक चुनौती बना हुआ है. हालांकि, देश तेजी से टीकाकरण कर रहा है और आशा की जाती है कि हम वर्तमान लहर से शीघ्र ही बाहर निकल जाएंगे. बैंक पूर्ण रूप से आशान्वित है कि हमारा समग्र दृष्टिकोण और नवीन पहलें हमें हमारे ग्राहकों, कर्मचारियों और शेयरधारकों को मूल्य प्रदान करने और 'भविष्य के बैंक' के हमारे दृष्टिकोण को पूरा करने में मदद करेगा.

14. धन्यवाद ज्ञापन

- मैं विभिन्न शेयरधारकों के प्रति आभार प्रकट करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं. बैंक के निदेशक मंडल की ओर से, मैं सभी शेयरधारकों, सम्मानित ग्राहकों, भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, भारतीय बीमा नियामक और भारतीय विकास प्राधिकरण, सतर्कता आयोग तथा अन्य संस्थाओं के प्रति उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन और समर्थन के लिए अपनी हार्दिक कृतज्ञता एवं आभार व्यक्त करता हूं. बैंक के सभी कर्मचारियों की प्रतिबद्धता, समर्पण और सेवाओं के लिए मैं उनका विशेष आभार व्यक्त करता हूं.

हम आपके सहयोग एवं समर्थन की आशा करते हैं.

आपका बहुत बहुत धन्यवाद,

राजकिरण रै जी.
प्रंबध निदेशक एवं सीईओ

नोट: यह बैंक की 19वीं वार्षिक साधारण बैठक की कार्यवाही का रिकॉर्ड नहीं है.

राजकिरण रै जी.
प्रबंध निदेशक एवं सीईओ
Rajkiran Rai G.
Managing Director & CEO

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking
आन्ध्रा Andhra कार्पोरेशन Corporation

19th Annual General Meeting of Union Bank of India
August 10, 2021 – Mumbai
Address By: Shri Rajkiran Rai G, MD & CEO, Union Bank of India

Dear Shareholders,

- On behalf of the Board of Directors of the Bank, I extend my warm welcome to all the shareholders present today.
- At the outset, I pay homage to those who lost their lives to the Covid Pandemic. I would like to express my heartiest gratitude to all the stakeholders for their support and thank all the employees for their relentless efforts in navigating through these testing times.
- Before I share about the Bank's business and financials in the financial year 2020-21, let me begin with a brief on the macro environment.

1. Macro Economy:

- The year 2020-21 was dominated by the COVID-19 pandemic and the resultant economic downturn, the most severe one since the Global Financial Crisis. The lockdowns and social distancing norms brought the economies to a standstill. Governments and central banks across the world deployed a range of policy tools to support their economies. Public health policy became central to tackling this all-pervasive crisis.
- The supportive measures helped to contain the severity of the crisis and by mid of 2020, global growth started gradually recovering by ongoing vaccination drives, sustained accommodative monetary policies and further sizeable fiscal stimulus. However, the emergence of second wave of Covid-19 has once again imparted greater uncertainty to the outlook.
- For the Indian economy, the year 2020-21 was challenging due to both supply and demand side disruptions, due to the pandemic. The Indian economy entered a technical recession in the first half of FY21 with GDP plunging by 24.4% in Q1 FY21 and 7.4% in Q2 FY21. However, the country ended the financial year 2020-21 with a contraction of 7.3%,which was better than expectation. The Government has ramped up its fiscal spending through Atmanirbhar Scheme and RBI through a favorable monetary policy and liquidity enhancing measures ensured support for the economy.
- The growth momentum returned towards the end of the financial year 2020-21, partly due to the opening up of the economy resulting in the pent-up demand and removal of supply side restrictions and freer movement of goods and services.
- The Economy has been resilient despite successive waves of Covid disrupting business. We can look forward to a good recovery this year and this may bode well for the banking sector to revive its activities in the days ahead.

2. Banking Environment:

- Banking environment has remained volatile during the FY20-21. Credit off take during 2020-21 was muted with non-food credit growth decelerating to 5.6 per cent as at the end of March 2021. The slowdown in credit growth has been broad-based across all major sectors, except agriculture.
- Aggregate deposits of SCBs registered a strong growth during the financial year FY21, in spite of considerable moderation in interest rates, reflecting risk averse behaviour of depositors and lack of lucrative alternative investment avenues.
- The asset quality of SCBs improved during 2020-21, with the overall non-performing assets (NPA) ratio of SCBs declining to 7.5 per cent in March 2021 from 8.4 per cent in March 2020, reflecting the regulatory dispensations in response to the COVID-19 pandemic.

3. Your Bank post Amalgamation:

- The global business of Your Bank has more than doubled after the amalgamation of Erstwhile Corporation Bank Erstwhile Andhra Bank into Union Bank of India.
- The amalgamation has resulted in significant improvement in the geographical penetration of Union Bank across the country. With the amalgamation, Your Bank has became the 5th largest public sector Bank in terms of business with extensive network of offerings. The bank now enjoys a larger capital base and optimally positioned to build deeper banking relationships with its corporate and retail customers.
- Post amalgamation, your Bank has designed a future ready organization structure for Central Office and field to ensure high accountability and fulfilling strategic imperatives for the bank.
- Your Bank has initiated post-amalgamation transformation journey with focus on increased digitization.
- We have harmonized all products, process and policies in line with the best practices in the industry. Information Technology landscape integration of e-Corporation Bank and e-Andhra Bank with Union Bank of India was completed on 30th November 2020 and 25th January 2021, respectively. The entire IT transformation was completed ensuring minimal disruption to customers.
- The integration of all branches and delivery channels of erstwhile Andhra Bank and Corporation Bank opens huge opportunity for customers and enhances the bank's capability to offer innovative products and services.
- The amalgamation helped the Bank to realise synergies in terms of revenue expansion, cost reduction, business rationalization. The plan has identified both recurring and one-time, across functions with estimated cumulative monetary value in the next 3 years.
- The amalgamation has strongly positioned Your Bank to fulfil the vision of "Future Ready Bank".

4. Your Bank's Business Performance:

- The global business of the Bank stood at ₹ 15,77,490 crore as on March 31, 2021.
- Total Deposits increased to ₹ 9,23,805 crore as on March 31, 2021. Out of this CASA share (current account and saving account) stood at 36.33% as on March 31, 2021.
- Gross Advances stood at ₹ 6,53,684 crore as on March 31, 2021.The RAM (Retail, Agriculture and MSME) sector advances stood at ₹ 3,67,825 crore as on March 31, 2021, registering an annual rate of growth at 8.40%.
- RAM share in total domestic advances improved from 52.6% as on March 31, 2020 to 57.7% as on March 31, 2021.
- As Against statutory target of 40% under Priority sector advances your bank achieved 42.0 per cent of the Adjusted Net Bank Credit (ANBC) for Quarter ended March-2021.

5. Profits and Profitability:

- Your Bank reported an Operating Profit of ₹ 19,259 crore in FY 2020-21 as compared to ₹ 9,181 crore in FY 2019-20. Net profit of the Bank stood at ₹ 2,906 crore in FY 2020-21.
- During FY 2020-21, Return on Average Assets stood at 0.27%, whereas Return on Equity stood at 6.68%.

6. Asset Quality:

- The Gross Non-Performing Assets (GNPA) of the Bank stood at ₹ 89,788 crore as on March 31, 2021. GNPA as per cent to gross advances stood at 13.74% as on March 31, 2021.
- Net NPA of the Bank stood at ₹ 27,281 crore as on March 31, 2021 and the Net NPA ratio stood at 4.62% as on March 31, 2021.

7. Capital Adequacy:

- The Capital Adequacy Ratio as per BASEL III norms stood at 12.56% as on March 31, 2021.
- Common Equity Tier I (CET I) capital of the Bank stood at 9.07% in March 2021.

- Your Bank has issued and allotted Basel III compliant Tier 1 Bonds of ₹ 1705 crore and Tier II Bonds of ₹ 2000 crore during the FY 2020-21.

8. IT & Digital Initiatives:

- Your Bank is thriving to streamline the banking services for customers with cutting edge technology.
- Your Bank is adopting the centralization / automation / integration of internal business processes in order to enhance quality of services and to improve the Turn Around Time (TAT).
- Initiatives taken by Your Bank viz. PAPL (pre-approved personal loan facility), Straight Through Processing (STP) of online retail and MSME loans, implementation of E2E Digitisation for Shishu Mudra loans upto ₹50,000, Dial-a-Loan facility for various loan products upto ₹ 5 crore, Loan origination through multiple channels like missed call, SMS & call centre, digital leads sourcing trough PSB loan in 59 minutes, Bank Bazaar etc., are important for digital on-boarding of customers.
- Your Bank has also implemented Door Step Banking (DSB) facility for financial and non financial services for our customers at 100 locations across the country during the year.
- A system of identifying Early Warning Signals(EWS) has been put in place to proactively identify the signals of Stress/Warnings in the borrowal accounts to facilitate taking timely corrective steps. Advanced analytical tools are being utilized to predict Early Stress Signals covering non SMA and non NPA portfolio of the Bank's advances to facilitate initiating necessary measures to maintain the health of the Loan Book.
- In order to enhance IT security, the Bank has implemented cyber security framework and instituted Cyber Security Operation Centre. A dedicated skilled team is deployed to manage the CSOC. The CSOC helps to identify, detect, protect & prevent the cyber threats.

9. Strengthening Human Capital:

- Your Bank strives to offer the best in class employment experience by investing in its human capital and taking measures to constantly reinvent its people processes.
- Your Bank has been at the forefront in introducing industry best practices to empower its workforce as well as to meet the corporate objectives.
- Your Bank initiated the process of Succession Planning for all critical roles. Individual Development Plans (IDPs) have been prepared as customized development paths for high potential candidates to enable them to take up the critical roles, a few years from now.
- The financial year 2020-21 has heralded a new era of distributing gains amongst stakeholders. The performance linked incentives (PLIs) are derived from profit dynamics at operating and net level. Based on profits during FY 2020-21, the Bank has declared five days of PLI for all employees. This is just a beginning, though. We can further improve with resolute efforts at all levels.

10. Enhanced Access & Service Excellence (EASE):

- EASE is a part of reforms agenda initiated by the Government to increase efficiency of PSBs across every domain and to measure the performance on a common index on a quarterly basis.
- Your Bank has taken several initiatives and implemented measures to improve efficiency under EASE agenda.
- Your Bank secured 3rd position as per the latest ranking for the quarter ended December 2020 as against 8th rank in the baseline quarter ended March 2020. The Bank was among top 3 banks in 4 out of 5 themes.

11. Environment, Social & Governance (ESG):

- Your Bank has been in the forefront in meeting its CSR commitments. Towards this the Bank has established Union Bank Social Foundation Trust (UBSFT) in the year 2006 as an extended arm for carrying out the CSR activities of the Bank. UBSFT has approved 6 projects involving an amount of ₹ 78.09 lacs during the year 2020-21 under various sectors like Education, Health care,

Community Development, Sanitation etc.

- Your Bank has continued to keep its focus on social development and equal opportunities for all segments of the society. Accordingly, the Bank extended credit facilities to various weak and unreserved sections of the society specifically women, minority community and self-help group.
- As part of its Corporate Governance framework, Your Bank has a comprehensive whistle blower policy to prevent unethical behavior. Your Bank has implemented a robust compliance system along with a well documented Compliance policy. The Bank is having well documented Policy on prevention of Sexual Harassment at workplace.
- Your Bank has taken a number of initiatives to support the business effected by Covid. The Bank was in the forefront in helping customers to tide over the liquidity crisis during the pandemic through various schemes such as Emergency Line of Credit, Personal Loan Schemes, SHG COVID Suvidha Loan, Union Guaranteed Emergency Credit Line, Extended Partial Credit Guarantee Scheme, etc.
- The Bank has also created awareness among borrowers on the relief measures, implemented a strict COVID-19 protocol for the safety of the customers and the staff members and encouraged customers to use our digital products and services.

12. Awards and Accolades:

- The Bank has received several awards and accolades during the year for its for its new initiatives taken in Digitization, Financial Inclusion, HR management, Customer Service etc. To name a few, Your Bank has received National Feather Award, Golden Peacock, Apex India HR Excellence Awards, Golden HR Excellence Awards by world HRD congress for its varied initiatives under HR leadership, innovation and training. The Bank has been awarded with Greentech HR Award, the Future of Tech Congress Award for its Digital transformation initiatives. The Bank had received awards in Agriculture Credit & Insurance Awards 2021organised by Agriculture Today Group.

13. Outlook:

- The outlook for the banking sector is mixed with opportunities and uncertainties. The Covid-19 continues to be a challenge. However, the country is vaccinating fast, and it is expected that we will exit the current wave sooner than later. The Bank is optimistic that our holistic approach and initiatives would help us deliver value the customers, employees and shareholders and fulfill our vision of "Future Ready Bank".

14. Vote of Thanks

- Let me conclude with acknowledgement to various shareholders. On behalf of the Boards of Directors of the Bank, I convey my sincere gratitude to all the shareholders, our esteemed customers, Govt of India, Reserve Bank of India, Securities & Exchange Boards of India, Insurance Regulatory and Development Authority of India, Central Vigilance Commission and other institutions for the valuable guidance and support. My special gratitude is due to all the employees of the Bank for their commitment, dedication and service.

We continue to look forward for your support and patronage.

Thank you very much,

Rajkiran Rai G.
Managing Director & CEO

Note: This does not purport to be a record of the proceedings of the 19th Annual General Meeting of the Bank.